# संपादकीय

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की की वार्षिक गृह पत्रिका ''प्रवाहिनी'' का 26वाँ अंक सुधी पाठकों को सौंपते हुए हमें अपार प्रसन्नता हो रही है।

इस अंक के लिए हमारे पास बड़ी संख्या में रचनाएं प्राप्त हुई जिसमें से ज्यादातर रचनाओं को शामिल करने का प्रयास किया गया है। समस्त विद्वत लेखकों ने अपनी रोचक एवं महत्वपूर्ण रचनाएं भेजकर पत्रिका के प्रकाशन में हमें भरपूर सहयोग दिया है इसके लिए हम उनका हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

हमें आशा है कि प्रस्तुत अंक समस्त सुधी पाठकों को ज्ञानवर्धक, रूचिकर एवं उपयोगी लगेगा। पत्रिका की साज–सज्जा तथा सामग्री इत्यादि में अपेक्षित सुधार हेतु आपके सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी।

**(संपादक मंडल)**